DAILY 12:00 PM

UGC NET

FILLERFORM LIVE

NTA UGC NET 2022

2)

अस्मितामूलक विमर्श

इकाई-4 (भाग- 12)

UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages

+91 81453 66384 joined using this group's invite link

+91 70102 37343 joined using this group's invite link

+91 96672 47765 joined using this group's invite link

+91 98557 99207 joined using this group's invite link

+91 60035 13791 joined using this group's invite link

+91 83590 38670 joined using this group's invite link

+91 91497 27505 joined using this group's invite link

+91 70910 66218 joined using this group's invite link

+91 75779 16791 joined using this group's invite link

+91 60035 13791 left

+91 90012 26665 joined using this group's invite link

+91 80037 25657 joined using this group's invite link

+91 89555 46730 joined using this group's invite link

Type a message

UGC Paper 1st Free Cl...
120 subscribers

December 28

Channel created

Channel photo changed

Broadcast

government_job_2020

1,711 Posts

6,845 Followers

7 Followi

Govt job 2020 (Fillerform) 17K

Education Website

Free Online Computer Class

1. Baisc computer

2. Web development

3. Hackig ... more

youtu.be/mIfPC5C-EvQ

Jaipur, Rajasthan

Edit Profile

Promotions | Insights | Contact

New

1 5 K Sub

YouTube

2000 users

UGC NET 100% Off Free Class

Free Notes

Live Class

5000+MCQ+PYQ

Free Books

fillerform

UGC NET Giveaway

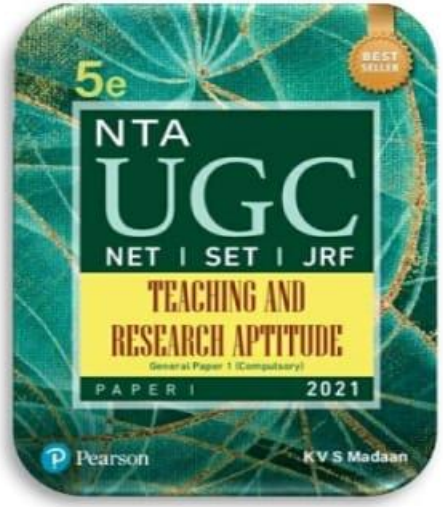

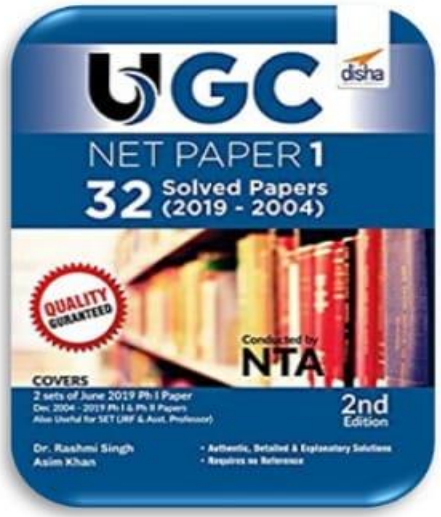

Win Books

Join UGC NET Quiz

- **09:30 AM- GK**
- **11:50 AM- Paper 1st**
- **02:50 PM- Paper 1st PYQ**
- **05:00 PM- 2nd Paper**
- **09:50 PM- Math MCQ**

www.ugc-net.com

इकाई – IV

वैचारिक पृष्ठभूमि

भारतीय नवजागरण और स्वाधीनता आन्दोलन की वैचारिक पृष्ठभूमि
हिन्दी नवजागरण । खड़ीबोली आन्दोलन। फोर्ट विलियम कॉलेज
भारतेन्दु और हिन्दी नवजागरण,
महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण
गांधीवादी दर्शन
अम्बेडकर दर्शन
लोहिया दर्शन
मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, उत्तर आधुनिकतावाद, अस्मितामूलक विमर्श (दलित, स्त्री, आदिवासी एवं अल्पसंख्यक)

8209837844

www.ugc-net.com

वैचारिक पृष्ठभूमि

अस्मितामूलक विमर्श

(दलित,स्त्री,आदिवासी एवं अल्पसंख्यक)

8209837844

अस्मितामूलक विमर्श (दलित,स्त्री,आदिवासी एवं अल्पसंख्यक)

www.ugc-net.com

अस्मिता उनका अभिप्राय

अस्मिता से अभिप्राय अपनी पहचान, अस्तित्व व अपने अधिकारों की मांग से है |

अस्मिता मूलक विमर्श का तात्पर्य

भारत में जाति , लिंग व संख्या के आधार पर भेदभाव होता आया है |इस स्थिति के कारण समाज से विशेषता विद्यमान हुई| जिसके चलते वर्तमान समय के दलित, स्त्री ,आदिवासी एवं अल्पसंख्यक सभी ने अपने अधिकारों के लिए आंदोलन किए| साहित्य में भी व्यापक स्तर पर

8209837844 www.ugc-net.com

दलित अस्मितामूलक विमर्श

1.भारत में हजारों वर्षों से जाति व्यवस्था विद्यमान रही है| जिसके कारण असमानता रूपी समाज स्थापित हो गया है किंतु शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात दलितों ने अपनी अस्मिता के सवाल खड़े किए हैं|

2. वह अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे हैं | वह अपने सामाजिक, राजनीतिक व आर्थिक अधिकारों की मांग कर रहे हैं उनके द्वारा किए गए सवाल सामाजिक न्याय के सवाल है|

3. ओमप्रकाश वाल्मीकि ,श्योराज सिंह बेचैन व तुलसीदास जैसे प्रख्यात दलित साहित्यकारों ने हिंदी साहित्य में दलित अस्मितामूलक विचारों विमर्श को समझने की कोशिश की है |

8209837844 www.ugc-net.com

4. इन्होंने अपनी आत्मकथा **'जूठन' (ओमप्रकाश वाल्मीकि),'मेरा बचपन मेरे कंधों पर' (श्यौराज सिंह बेचैन) व 'मुर्दहिया ' (तुलसीदास)** द्वारा दलित जीवन के हर पहलू पर प्रकाश डाला है व जनमानस की उसकी अस्मिता पर विचार करने के लिए मजबूर किया है|

5. इनकी कृतियां दलितों के जीवन की विडंबना व संघर्षों को दर्शाती है **'अपना गांव ' (कहानी) मोहनदास नैमिशराय , ठाकुर का कुआं (कविता) ओमप्रकाश वाल्मीकि (नो बार) जयप्रकाश कदम , 'शिकंजे का दर्द' (आत्मकथा) सुशीला टाकभोरे** , से सभी रचनाएं दलित

8209837844

www.ugc-net.com

स्त्री अस्मितामूलक विमर्श

1.दार्शनिकों का मानना है कि किसी भी समाज की प्रगति उस समाज की स्त्रियों की प्रगति से जोड़कर देखी जाती है लेकिन भारत वर्ष में स्त्रियां वर्तमान समय यह भी अपनी अस्मिता की लड़ाई लड़ रही है |

2. उनकी स्वयं की कोई पहचान नहीं है पुरुष के साथ जुड़कर उसे पहचान मिली है|

3. स्त्रियों ने सती प्रथा, देवदासी प्रथा, कन्या भ्रूण हत्या, बाल विवाह ,दहेज प्रथा, गैर घरेलू हिंसा और ना जाने कितनी ही दमनकारी सामाजिक कुरीतियों को कहा है इन सभी परिस्थितियों से प्रतिकार करती हुई वह अपने अस्मिता का बात

4. हिंदी साहित्य में भी स्त्री अस्मिता की बात होती रही है|
5. आज से लगभग सवा 100 वर्षों पहले का' श्रद्धा राम कुलौरी' का उपन्यास 'भाग्यवती 'से लेकर वर्तमान समय में भी साहित्य से स्त्री अस्मिता को चरित्र किया जा रहा है|
6. **प्रेमचंद ,भगवती चरण वर्मा, जयशंकर प्रसाद** जैसे लेखकों ने स्त्री अस्मिता के सवाल खड़े किए हैं वह स्त्रियों की तत्कालीन परिस्थितियों को अपनी रचनाओं द्वारा उजागर करते हैं|
7.हिंदी साहित्य में स्त्री विमर्श को लेकर महत्वपूर्ण पुस्तकें लिखी गई जिससे पाठकों को स्त्री अस्मिता व स्त्री विमर्श का ज्ञान हुआ **परिधि पर स्त्री, मृणाल पांडे, दुर्ग द्वार पर दस्तक,**

8209837844 www.ugc-net.com

आदिवासी अस्मितामूलक विमर्श

1.आदिवासी हजारों सालों से जंगलों में रह रहे हैं वह मुख्यधारा से सभी जुड़ नहीं पाए हैं वर्तमान समय में भी उनकी स्थिति जस की तस बनी हुई है|

2. देश विकास के क्षेत्र में भी आदिवासियों की भूमिका को स्वीकार नहीं किया गया है जबकि पिछले कुछ वर्षों में लाखों आदिवासियों का चेहरों की तरफ पलायन हुआ है|

3. वह मजदूरी के क्षेत्र में कार्य हुए हैं और अन्य बहुत से क्षेत्रों में कार्य कर देश के विकास में योगदान दे रहे

4. आजादी की लड़ाई में उनके द्वारा किए गए **"पहाड़ी विद्रोह " और "नागा रानी संघर्ष"** तक भारत के विभिन्न आदिवासी क्षेत्रों में हुए विद्रोह को पुस्तकों में कोई स्थान नहीं मिला है ना ही कभी पत्र-पत्रिकाओं में इनका जिक्र किया जाता है |
5. हजारों सालों के शोषण व संघर्षों को झेलते हुए आदिवासी वर्तमान समय में सरकार के समक्ष अपनी अस्मिता के सवाल खड़े कर रहे हैं|
6. आदिवासी अस्तित्व और अस्मिता के संकट को देखते हुए उसका प्रतिरोध स्वाभाविक है|
7. सामाजिक राजनीतिक प्रतिरोध के इलावा साहित्य की कब तक पुकारूं रंगेह राघव के देवेंद्र सत्यार्थी 'रथ के पहिए ' आदि

8209837844 www.ugc-net.com

अल्पसंख्यक अस्मितामूलक विमर्श

1.अल्पसंख्यक विमर्श अल्पसंख्यक वर्ग की ज्वलंत समस्याओं को उठाता है|

2. बहुसंख्यको में अपेक्षा संख्या में कम लोगों के साथ-साथ भाषा व संस्कृति क्षेत्र भी अल्पसंख्यक की अवधारणा के अंतर्गत आते हैं |

3. भारत में अल्पसंख्यक संबंधित जो प्रावधान भारतीय संविधान में है |

1.भाषीयी 2.धार्मिक

4. हिंदी साहित्य में अल्पसंख्यक साहित्य की शुरुआत की शुरुआत **सरहपा, गोरखनाथ ,अमीर खुसरो से होती है भक्तिकाल में कबीर, जायसी, गुरु गोविंद सिंह से और आधुनिक युग में राही मासूम रजा, नासिरा शर्मा व अनवर सुहैल** तक फैली हुई है |

5. भारत में विभाजन के पश्चात हुए दंगों की राही मासूम रजा ने अपनी रचना में स्थान दिया है उन्होंने हिंदी हिंदू-मुस्लिम संबंधों व अल्पसंख्यकों की स्थिति को अपनी शक्ति द्वारा उजागर किया है |

6. भारत में जैन, बुद्धिस्ट ,सिख, मुस्लिम ,इसाई आदि उच्च संख्यक वर्ग है जिनमें जैन बौद्ध सिक्ख हिंदू धर्म से ही

8209837844 www.ugc-net.com

8. अल्पसंख्यकों के हितों को देखते हुए विद्वानों के यह मत है कि उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के लिए शिक्षा एक महत्वपूर्ण साधन है भारत एक सेकुलर राष्ट्र है|
9. यहां सभी धर्मों के लोगों को संवैधानिक मान्यता प्राप्त है लेकिन यह स्थिति सामाजिक स्तर पर आत्मसात नहीं हो पाती है|
10. हिंदी साहित्य में अल्पसंख्यकों वर्गों के जीवन के हर पहलू देखने को मिलते हैं |
1.असुरक्षा की भावना
2. पहचान का संकट
3. संस्कृति के विलय भय
4. राष्ट्रीयता पर संदेश
5. आतंकवाद और अल्पसंख्यक
6.आर्थिक और शैक्षिक बदलाती

8209837844

www.ugc-net.com

Home work

5:30 Pm quiz

धन्यवाद....

For More Information

8209837844

www.ugc-net.com

/Fillerform /Fillerform /Fillerform

info@fillerform.com